

CBSE कक्षा 11 व्यवसाय अध्ययन
सैंपल पेपर-01 (2017-18)

समय सीमा : 3 घंटे कुल अंक : 90

सामान्य निर्देश:

- 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर एक शब्द से एक वाक्य तक हों।
- 3 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-75 शब्दों के हों।
- 4-5 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में हों।
- 6 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों के हों।
- एक प्रश्न के सभी भाग साथ-साथ ही हल कीजिए।
- प्रश्न 1 से 8 तक अति लघु प्रश्न प्रत्येक के लिए 1 अंक है।
- प्रश्न 9 से 14 तक प्रत्येक के लिए 3 अंक है।
- प्रश्न 15 से 19 तक प्रत्येक के लिए 4 अंक है।
- प्रश्न 20 से 23 तक प्रत्येक के लिए 5 अंक है।
- प्रश्न 24 से 27 तक प्रत्येक के लिए 6 अंक है।

1. "व्यवसायिक जोखिम को न्यूनतम किया जा सकता है परन्तु समाप्त नहीं किया जा सकता।" यह कथन व्यवसायिक जोखिम की किस विशेषता को दर्शाता है?
2. ABC Ltd. ने सार्वजनिक अभिदान हेतु ₹ 10,00,000 अंश जारी किए। इसे केवल 5 लाख अंशों के लिए ही आवेदन प्राप्त हुए। क्या कम्पनी अंशों का आबंटन कर सकती है?
3. इन कम्पनियों की विशेषताएँ हैं- इनका विशाल आकार, उत्पादों की बड़ी संख्या, उन्नत तकनीक, विपणन की रणनितियाँ एवं पूरे विश्व में फैला व्यवसाय। ये संगठन अनेक क्षेत्रों में व्यवसाय करते हैं तथा अनेक वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। उपरोक्त में किस व्यावसायिक निगमन का वर्णन किया गया है?
4. जीवन बीमा अन्य बीमाओं से किस प्रकार भिन्न होता है। स्पष्ट कीजिए।
5. ग्लोबल डिपोजिटरी रसीद क्या है?
6. NABARD का पूरा नाम लिखें।
7. आंतरिक व्यापार को संपूर्ण आर्थिक क्रिया का एक सशक्त अंक बनाने में उत्प्रेरक की भूमिका कौन अदा कर रहा है?
8. शौकत अलि थाईलैंड से पाश्चात्य कपड़े आयात करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें पहला कदम क्या लेना चाहिए।
9. निम्नलिखित क्रियाओं को व्यवसाय, पेशे व रोजगार में विभाजित करें:
 - i. मोहन अपने नियोक्ता की ओर से किताबें बेचता है।
 - ii. तानिया वकालत का काम कर रही है।

- iii. एक रेहड़ी वाला अलग-अलग जगह जा कर सब्जी बेच रहा है।
10. आर.टी.जी.एस. का पूर्ण नाम लिखें तथा कोई दो विशेषताएँ बताइए।
11. विभागीय उपक्रमों की तीन उपयोगिताएँ बताइए।
12. ई-बिजनेस का अर्थ सभी औद्योगिक एवं वाणिज्यिक क्रियाओं को इंटरनेट के माध्यम से पूरा करना है। इन क्रियाओं के तीन-तीन उदाहरण दीजिए।
13. महिन्द्रा एवं महिन्द्रा भारत वर्ष की पहली कम्पनी थी जिसने सन् 1990 में परिवर्तनशील ऋणपत्र जारी किए। आजकल बहुत-सी कम्पनियों के पास दीर्घ अवधि पूँजी एकत्रण के लिए परिवर्तनशील ऋणपत्र जारी करने की मंजूरी है। ऐसे ऋणपत्र जारी करने के कारण/लाभ बताइए।
14. निम्नलिखित के अन्तर्गत फुटकर विक्रेता के प्रकार को पहचानिए-
- i. श्याम अपनी ठेली पर जगह-जगह घूमकर सब्जियाँ बेचता है।
 - ii. रानी अपनी दुकान में केवल स्कूल यूनीफार्म बेचती है।
 - iii. रहमान रेलवे स्टेशन के समीप स्टेशनरी का सामान बेचता है।
15. इस प्रलेख में कम्पनी के आंतरिक प्रबंध से संबंधित नियम होते हैं जबकि दूसरे प्रलेख द्वारा कम्पनी के उद्देश्यों को पारिभाषित किया जाता है।
उपरोक्त से पंक्तियाँ उद्धृत करते हुए वर्णित दोनों प्रलेखों को पहचानिए तथा उनके बीच ऊपर दिए गये अंतर के अतिरिक्त कोई दो अंतर कीजिए।
16. पी.पी.फ. से आप क्या समझते हैं? इसकी कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
17. 'इंफोसिस' भारत की अग्रणी सॉफ्टवेयर निर्माता कम्पनी है जिसका व्यवसाय कई देशों में फैला हुआ है। वह किस प्रकार का व्यापार करती है? वह अपने देश के लिए क्या लाभ उत्पन्न करती है? कोई तीन बिन्दु लिखिए।
18. 'रेवा केमिकल्स' एक साझेदारी फर्म है। इस फर्म में सोना और मोना दो साझेदार हैं। साझेदारी संलेख के अनुसार सोना का दायित्व असीमित है जबकि मोना का सीमित। सोना फैक्ट्री में प्रदूषण दूर करने वाला यंत्र लगाना चाहता है लेकिन मोना ऐसा नहीं करने देती। इस फर्म के सभी व्यवहार इंटरनेट पर होते हैं। यह फर्म अपना माल केवल दूसरी व्यावसायिक इकाइयों को ही बेचती है। फर्म अपना शोध एवं विकास का काम दूसरी फर्म से करवाती है। निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
- i. साझेदारी का प्रकार बताइए।
 - ii. यहाँ किन दो मूल्यों की अवहेलना हो रही है?
 - iii. फर्म किस प्रकार का ई-बिजनेस कर रही है?
19. स्वामित्व पूँजी तथा ऋण पूँजी में क्या अंतर है?
20. व्यापार की सहायक क्रियाओं का अभिप्राय उन क्रियाओं से है जो व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए की जाती हैं। उन क्रियाओं को पहचानिए एवं उनकी संक्षिप्त व्याख्या कीजिए जो व्यापार की निम्नलिखित बाधाओं को दूर करने के लिए की जाती हैं:
- i. स्थान की बाधा
 - ii. समय की बाधा
 - iii. जोखिम की बाधा

- iv. वित्त की बाधा
- v. सूचना की बाधा
21. सेवाओं के बाह्यकरण का अर्थ बताओ तथा बाह्य सेवाओं के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
22. ग्रामीण भारत में छोटे व्यवसायों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
23. एक अंतराष्ट्रीय संगठन की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को हुई। इसके प्रमुख उद्देश्य GATT के जैसे हैं। इसका अस्तित्व तब से कुछ कार्यों को पूरा करने के लिए विद्यमान है। यह कौन-सी संस्था है? उसकी भूमिका पर बल देने के लिए उसका कोई चार कार्य बताइए।
24. रवि, प्रदीप, सतेन्द्र तथा धर्मेन्द्र एक साझेदारी फर्म के साझेदार हैं। रवि तथा सतेन्द्र व्यवसाय संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं जबकि प्रदीप ने पूँजी लगाई है परन्तु व्यवसाय के दिन प्रतिदिन के कार्यों में भाग नहीं लेता है। धर्मेन्द्र नाममात्र का साझेदार है। इन चारों ने साझेदारी केवल एक निश्चित अवधि के लिए बनाई है तथा साझेदारी को शासित करने के लिए लिखित समझौता भी तैयार किया है परन्तु उनके द्वारा फर्म का पंजीकरण नहीं कराया गया।
- i. नाममात्र का साझेदार से क्या अभिप्राय है?
- ii. उपरोक्त में साझेदारों के बीच किस प्रकार की साझेदारी है?
- iii. साझेदारों के बीच को लिखित समझौता होता है, उसे क्या कहते हैं?
- iv. प्रदीप तथा रवि किस प्रकार के साझेदार हैं?
- v. साझेदारी फर्म का पंजीकरण कराने के कोई दो लाभ लिखिए।
25. उस उपक्रम का नाम बताइए जो कम्पनियों के मध्य साझेदारी के फलस्वरूप स्थापित होता है। यह भी बताइए ये कम्पनियाँ ऐसी साझेदारी क्यों करती हैं?
26. अंतः कम्पनी जमाएं क्या हैं? इसके प्रकार व विशेषताएँ बताइए।
27. रत्ना ने अखबार में एक विज्ञापन के आधार पर एक कम्बल खरीदा। विज्ञापन में कम्बल की विशेषताएँ मूल्य, सुपुर्दगी की शर्त आदि बता रखी थी। सुपुर्दगी की एक शर्त के अनुसार उत्पाद के मूल्य का भुगतान केवल वी. पी. पी. द्वारा होना था। रत्ना ने कम्बल अच्छी गुणवत्ता का पाया।
- i. फुटकर व्यापार का यह कौन-सा स्वरूप है?
- ii. इस स्वरूप के कोई दो लाभ व दो सीमाएँ समझाइए।
- iii. रत्ना को उत्पाद उपलब्ध कराने वाली कम्पनी द्वारा क्या मूल्य प्रस्तुत किए गए हैं?

CBSE कक्षा 11 व्यवसाय अध्ययन

सैंपल पेपर-01 (2017-18)

(उत्तर सहित)

1. जोखिम से बचा नहीं जा सकता।
2. नहीं, क्योंकि न्यूनतम अभिदान 90% है और ABC Ltd. को सिर्फ 50% अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं।
3. ग्लोबल उपक्रम (MNC)
4. क्षतिपूर्ति का सिद्धान्त जीवन बीमा में लागू नहीं होता है।
5. ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसिप्ट एक ऐसा प्रलेख है जो एक देश की कम्पनियाँ विदेशी पूँजी प्राप्त करने के लिए विदेशों में यू.एस. डॉलर में जारी करती है। इनकी ट्रेडिंग उन सभी विदेशी अंश बाजारों में होती है जहाँ इन्हें सूचीबद्ध करवाया गया है।
6. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक।
7. आई.सी.सी.आई.।
8. उन देशों और फर्मों की जानकारी एकत्रित करना जो आयातक के उत्पाद को उपलब्ध कराती हैं।
9.
 - i. रोजगार
 - ii. पेशा
 - iii. व्यवसाय
10. रीयल टाईम ग्रॉस सेटलमेंट।
विशेषताएँ- कोई दो :
 - i. सी.बी.एस.
 - ii. फीस
 - iii. न्यूनतम राशि सीमा
11. विभागीय उपक्रमों की उपयोगिता निम्न दशाओं में होती है-
 - i. जहाँ सार्वजनिक हित में पूर्ण सरकारी नियंत्रण आवश्यक हो।
 - ii. जहाँ गोपनीयता की अहम भूमिका हो।
 - iii. जहाँ अधिक पूँजी निवेश होती हो तथा लाभ की कोई गारंटी न हो।
12.
 - o औद्योगिक क्रियाएँ-
 - i. उत्पादन
 - ii. उत्पाद विकास
 - iii. स्टॉक प्रबन्ध
 - o वाणिज्यिक क्रियाएँ-
 - i. आदेश देना
 - ii. सुपुर्दगी लेना
 - iii. भुगतान करना।

13. परिवर्तन शील ऋणपत्रधारी निश्चित समय के अंदर अपने ऋणपत्रों को अंशों में बदलवा सकते हैं।
 ऋणपत्र स्थायी एवं नियमित आय के साधन होते हैं। यह अधिक सुरक्षित विनियोग है व अधिक तरलता होती है।
 ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तित करने पर ऋणपत्रधारी कम्पनी के स्वामी बनकर कम्पनी की समृद्धि में भाग ले सकते हैं।
14. i. फरी वाले
 ii. विशिष्टकृत भंडार
 iii. पटरी वाले व्यापारी
15. इस प्रलेख में कम्पनी के आंतरिक (पार्षद अंतर्नियम)
 दूसरे प्रलेख में कम्पनी के उद्देश्यों (पार्षद सीमानियम)
 कोई दो अंतर।
16. सार्वजनिक भविष्य निधि
 विशेषताएँ-
 i. पात्रता
 ii. न्यूनतम व अधिकतम जमा सीमा
 iii. न्यूनतम अवधि व समय वृद्धि (या और अन्य)
17. अन्तराष्ट्रीय व्यापार
 i. देश को विदेशी मुद्रा अर्जित करने में मदद करना।
 ii. देश की विकास प्रत्याशा को बढ़ाना।
 iii. रोजगार के अवसर उपलब्ध करना।
18. i. यह एक सीमित साझेदारी है।
 ii. सरकारी नियम व सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों की अवहेलना।
 iii. बी.2 बी. कॉमर्स।
- 19.

आधार	ऋणपूँजी	स्वामित्व पूँजी
कम्पनी के संबंध	लेनदार	स्वामी
प्रतिफल	ब्याज	लाभांश
प्रबंध में भाग	अधिकार नहीं	भाग ले सकते हैं
पूँजी की वापसी	जीवनकाल में वापस	जीवनकाल में वापस नहीं
कर लाभ	प्राप्त	प्राप्त नहीं
वापसी का क्रम	अंशधारियों से पहले	आखिर में

20. स्थान की बाधा - परिवहन
 समय की बाधा - संग्रहण

जोखिम की बाधा - बीमा

वित्त की बाधा - बैंकिंग

सूचना की बाधा - विज्ञापन

21. व्यवसाय को कुशलतापूर्वक चलाने तथा विशिष्टीकरण के लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ सेवाएँ संगठन के बाहर से प्राप्त करने को सेवाओं का बाह्यकरण कहते हैं।

प्रकार:-

- i. वित्तीय सेवाएँ
- ii. विज्ञापन संबंधी सेवाएँ
- iii. पत्रवाहक सेवाएँ
- iv. ग्राहक सहायता सेवाएँ।

22. अधिक रोजगार, आर्थिक मजबूती, कारीगरों के लिए अवसर, संतुलित क्षेत्रीय विकास, जीवन स्तर में सुधार, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग, कृषि पर जनसंख्या का कम दबाव, आय का समान वितरण (कोई 5 वर्णन सहित)।

23. डब्लू.टी.ओ. (विश्व व्यापार संघ)

- i. अंतराष्ट्रीय व्यापार की बाधाओं को दूर करना।
- ii. सदस्य देशों के आपसी विवादों का निपटान करना।
- iii. अंतराष्ट्रीय व्यापार के लिए सर्वमान्य आचार संहिता बनाना।
- iv. अति गरीब राष्ट्रों के विकास के लिए प्रयास करना।

(या कोई अन्य उचित बिन्दु)

24. i. वह साझेदार जो अपना नाम फर्म को उधार देता है। वह न तो पूँजी लगाता है न प्रबंध में हिस्सा लेता है।

ii. विशिष्ट साझेदारी

iii. साझेदारी संलेख

iv. प्रदीप-सुप्त साझेदार, रवि - सक्रिय साझेदार

v. i. फर्म दूसरी फर्मों व अन्य व्यक्तियों पर मुकदमा दायर कर सकती है।

ii. फर्म किसी साझेदार के विरुद्ध मुकदमा दायर कर सकती है।

25. संयुक्त उद्यम

नोट : संयुक्त उद्यम के कोई पाँच लाभ लिखिए।

26. ICD's का अभिप्राय एक कम्पनी द्वारा दूसरी कम्पनी को दिए जाने वाले असुरक्षित अल्पकालीन वित्त से है। ये व्यवहार दलालों के माध्यम से होते हैं। ब्याज की दर अधिक / नौकरशाही व कानूनी झंझटों से दूर।

प्रकार :- तीन महीने वाली जमाएँ, छः महीने वाली जमाएँ, माँग जमाएँ।

विशेषताएँ :- दो कम्पनियों के मध्य, अल्पकाल, असुरक्षित, दलालों के माध्यम से, ब्याज दर अधिक, जोखिम पूर्ण, संगठित बाजार नहीं, कानूनी औपचारिकता नहीं, कमजोर कम्पनियाँ प्राथमिकता।

27. डाक आदेश व्यवसाय

- o दो लाभ:

- i. इसके अंतर्गत भवन तथा अन्य आधारगत ढाँचे पर भारी व्यय की आवश्यकता नहीं है।
- ii. यहाँ विक्रेता और क्रेता के बीच मध्यस्थों की आवश्यकता नहीं होती।
(या कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु)
- o दो सीमाएँ:
 - i. इस व्यवसाय के क्रेता तथा विक्रेता के बीच व्यक्तिगत संपर्क नहीं होता।
 - ii. इस प्रणाली में ग्राहकों को उधर सुविधा उपलब्ध नहीं होती।
(या कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु)
- o मूल्य:
गुणवत्ता (या कोई अन्य उपयुक्त मूल्य)